दिल्ली में कुकिंग गैस का नकली कारखाना

1033. **श्री तारिक अनवर :** क्या पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस वर्ष सितम्बर में दिल्ली में कुकिंग गैस के एक नकली कारखाने का पता लगा था;

(ख) यदि हां, तो वे किस स्रोत के जरिए गैस प्राप्त किया करते थे;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि कुछ गैस विक्रेता गैस के सिलेण्डरों से गेस की चोरी करते हैं और कम वजन के गैस सिलेण्डरों की सप्लाई उपभोक्ताओं को करते हैं; और

(घ) यदि हां, तो गैस विक्रेताओं द्वारा उपभोक्ताओं को कम वजन के गैस सिलेण्डरों की सप्लाई करने की प्रथा को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार सितम्बर, 1980 में दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के बादली गांव में सामेपुर में आनन्द उद्योग नामक एक नकली खाना बनाने वाली गैस के कारखाने का पता लगाया था ।

(ख) दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा द्वारा मामले की जांच की जा रही है ।

(ग) और (घ) कुछ मामले मंत्रालय के ध्यान में आये हैं । कम वजन के गैस सिलेण्डरों की सप्लाई को रोकने के लिये सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाये हैं :—

1. गैस सिलेण्डर तेल कम्पनियों या उन के द्वारा संचालित कमीशन प्राप्त बाटलिंग प्लांटों में स्वचालित तथा हस्तचालित मशीनों द्वारा भरे जाते हैं । नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय का बाट और माप निदेशालय इन मशीनों को नियमित अन्तराल में जांचता है तथा इन पर अपनी मोहर लगाता है । सिलेण्डरों की अक्सर जांच की जाती है तथा कम भरे हुए सिलेण्डर अगर हों, तो, अलग कर दिये जाते हैं तथा बाटलिंग प्लांटों से केवल ठीक माप के सिलेण्डर ही ट्रांसपोर्टरों को दिये जाते हैं । वितरकों के शो रूमों तथा गोदामों में भी वितरकों द्वारा वितरण के समय अक्सर जांच की जाती है ।

2. तेल कम्पनियों को सलाह दी गई है कि वह वितरकों के गोदामों, शो-रूमों तथा पारगमन में खाना बनाने की गैस के सिलेण्डरों की जांच को और तेज करें तथा जो वितरक कम वजन के सिलेण्डर सप्लाई करते पाए जायें उन के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए ।

3. उपरोक्त सावधानियों के बावजूद अगर इस प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त होती है तो उन पर जैसा आवश्यक हो उचित कार्यवाही की जाती है ।

Production of Crude oil

1034. SHRI CHHANGUR RAM: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to lay a statement showing:—

(a) what is the present rate of production of crude oil in the country as against the demand;

(b) to what extent crude is being imported to meet the gap between the demand and supply since 1973, the amount of the foreign exchange the country had to pay on account of its imports; and

(c) what are the programmes, if any, taken up by Government to accelerate the pace of oil exploration in the country to attain self-sufficiency and the results achieved so far?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. C. SETHI): (a) and (b). A

statement is laid on the Table of the Sabha.

(c) Annual and Five Year Plans have been made to explore for oil in the prospective areas and to optimise the production from the known fields. Efforts are being made to take up exploration in new areas by Oil and Natural Gas Commission and Oil India Limited (India). To augument the efforts, outside parties have been invited to indicate their interest in exploring for oil in the country.

Oil evploration and production are a continuous process and self-sufficiency will depend on actual quantum of oil discovered.

Statement

Demand Production and Imports of Crude Oil since 1973

(Qty : Million Tonnes)
Value Rs. Crores

Year	Demand* (Qty)	Indigenous production (Qty)	Imports	
			Qty	CIF Value
1973	20·5	7·2	13·4	244·6
1974	20·8	7·5	14·6	899·4
1975	21·8	8·3	13·6	992·0
1976	22·8	8·7	13·9	1145·6@
1977	24·4	10·2	14·5	1258·9@
1978	25·6	11·3	14·9	1243·9@
1979	28·2	12·8	15·4	1786·8@
Jan-Sep. 80	18·9@	7·0@	11·9@	2192·5@

*Demand in terms of actual crude throughout.

@Provisional.

Black Marketing in Hard Coke

1035. SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Will the Minister of ENERGY be pleased to state what steps have been taken to stop black marketing in hard coke?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): Government is not aware of any black marketing in Hard Coke. Keeping in view improved availability Beehive type of hard coke has been made available for sale free of all restrictions from 1st October, 1980, on an experimental basis for a period of 3 months.

Promotional Avenues for Employees .. of Subordinate Courts

1036. SHRI PIUS TIRKEY: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 258 on 10th June, 1980 regarding promotional avenues for employees of Civil and Session Courts, Delhi and state:

(a) whether it is a fact that the avenues of promotion for the employees of the Subordinate Courts are still meagre and the draft rules for regulating the conditions of service of the employees of the Subordinate Courts in Delhi have been finalised and enforced; and